व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

-कटिंग और सिलाई

के लिए

स्वयं सहायता समूह -दुर्गा माता

एसएचजी/ सीआई जी का नाम	दुर्गा माता
वीएफडीएस नाम	गरली
रेंज	कमलाह
मंडल	जोगिंदरनगर

के तहत तैयार किया गया-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषय वस्तु

क्र.सं	विवरण	पृष्ठ सं।
1.	परिचय	3
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	4-5
4.	गांव का भौगोलिक विवरण	5
5.	बाजार की क्षमता	5-6
6.	कार्यकारी सारांश	6
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
8.	उत्पादन का विवरण प्रक्रिया	6
9.	संकट विश्लेषण	7
10.	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	7
11।	अर्थशास्त्र का वर्णन	7-9
12.	एसएचजी में निधि प्रवाह की व्यवस्था	9-10
13.	निधि के स्रोत	10
14.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	11
15.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	11
16.	बैंक ऋण चुकौती	11
17.	निगरानी विधि	11-12
18.	टिप्पणी	12
19	समूह के सदस्यों की फोटो	13
20	समूह चित्र	14
19.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	15
20.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	16

1. परिचय-

कटाई और सिलाई को कपड़ों की सिलाई भी कहा जाता है। कटिंग और सिलाई के इस कौशल का उपयोग सभी आयु समूहों के विभिन्न शैलियों के सूट, रूमाल और विभिन्न कपड़े बनाने के लिए किया जाता है, घरेलू उत्पाद जैसे टेबल कवर, पर्दे आदि मुख्य रूप से ग्रामीण भारत में महिलाओं के बीच एक आम घरेलू गतिविधि है । अधिकांश महिलाएं इस आईजीए से अच्छी तरह परिचित हैं और वे इसे अपने खाली समय में और साथ ही अन्य घरेलू काम करते समय भी खुशी-खुशी करती हैं। उनके ऐसा स्वयं करने का एक कारण पैसे बचाना है। इस स्वयं सहायता समूह की महिलाएं अपने परिवार के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही सक्रिय हैं। अब सदस्यों ने इस गतिविधि को आईजीए के रूप में चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पैसे कमा सकें और कठिन समय के लिए कुछ बचत भी जुटा सकें। इसका एक समूह एसएचजी के रूप में पहले से मौजूद विभिन्न आयु वर्ग की 14 महिलाएं जेआईसीए परियोजना का हिस्सा बनने के लिए एक साथ आईं और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का फैसला किया जो उन्हें इस आईजीए को सामूहिक तरीके से लेने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके ।

इस आईजीए (आय सृजन गतिविधि) में शामिल होने से पहले बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं के बारे में बहुत सावधानी से चर्चा करें। दुर्गा माता एसएचजी समूह ने सामूहिक रूप से अपनी आय सृजन गतिविधि (आईजीए) के रूप में कटाई और सिलाई का निर्णय लिया है। दुर्गा माता SHG का गठन 10-10-2018 को किया गया था और इसे हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका (JICA असिस्टेड) के सुधार के लिए परियोजना के तहत भी शामिल किया गया है, जो VFDS गरली के अंतर्गत आता है । इस एसएचजी में 14 महिलाएं शामिल हैं । इन महिलाओं को पहले से ही कटाई और सिलाई का बहुत कम अनुभव था और अब इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता की मदद से वे इस कौशल को विकसित करेंगी और पेशेवर बनेंगी । वे कपड़े सिल सकेंगी और आत्मनिर्भर बनकर आय अर्जित करेंगी। इस एसएचजी की विस्तृत व्यवसाय योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है और विस्तृत कार्य योजना पर यहां चर्चा की जाएगी। अंतर्गत:

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	दुर्गा माता
2.	वीएफडीएस	गरली
3.	रेंज	कमलाह
4.	मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	गरली
6.	ब्लॉक ऑफिस	धरमपुर
7.	ज़िला	मंडी
8.	कुल सदस्यों में स्वयं सहायता समूह	1 4
9.	तारीख का गठन	10-10- 2018
10.	किनारा एसी नहीं।	33610106036
11।	केनरा बैंक	हिमाचल राज्य सहकारी किनारा सजाओ पिप्पलू
12.	एसएचजी/सीआईजी महीने के जमा पूंजी	1500(100 प्रति व्यक्ति)
13.	कुल बचत	60000
14.	कुल इंटर उधार लिया हुआ धन	-
15.	नकद श्रेय	-
16.	वापसी स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं	नाम	एम /एफ	पिता/ पति नाम	आयु	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नहीं।
1	सरला देवी	एफ	बसंत सिंह	59	सामान्य	अध्यक्ष	9816559895
2	शीला देवी	एफ	भाग सिंह	47	अनुसूचित जाति	सचिव	8894832450
3	रीमा देवी	एफ	अरुण गुलेरिया	28	सामान्य	सदस्य	6230741610
4	कृष्णा देवी	एफ	सुरेश कुमार	47	सामान्य	सदस्य	9459871637
5	स्वाति देवी	एफ	अमित कुमार	23	सामान्य	सदस्य	8091197644
6	संजू देवी	एफ	सुनील कुमार	37	सामान्य	सदस्य	7018903824
7	मीरा देवी	एफ	सोहन सिंह	58	अनुसूचित जाति	सदस्य	9805310852
8	ज्योति	एफ	सतीश	24	अनुसूचित जाति	सदस्य	9736677180

9	रीनू कुमारी	एफ	पंकज कुमार	31	सामान्य	सदस्य	7018888051
10	ममता देवी	एफ	रिम्पू	26	अनुसूचित जाति	सदस्य	8629823852
11	बबली देवी	एफ	प्रताप सिंह	41	अनुसूचित जाति	सदस्य	8629812718
12	सुनीता देवी	एफ	वनीत कुमार	42	सामान्य	सदस्य	8219093968
1 3	वर्षा देवी	एफ	सुनील कुमार	30	अनुसूचित जाति	सदस्य	8091745476
1 4	किरण माला	एफ	सुशील कुमार	50	सामान्य	सदस्य	8908601474

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	85 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	1 किमी
3	स्थानीय बाज़ार का नाम और दूरी	5 कि.मी
4	मुख्य बाज़ार का नाम एवं दूरी	धर्मपुर सरकाघाट मंडी 10,25,85
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	धर्मपुर सरकाघाट मंडी 10,25,85
6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	पालमपुर

5. बाजार की क्षमता-

कटिंग और सिलाई का हुनर सीखने के बाद ये . दुर्गा माता एसएचजी अपने क्षेत्र और आस-पास के गांवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगी। फैशन में वृद्धि और बदलाव के कारण बाजार में अपार संभावनाएं हैं और कपड़ों की सिलाई की मांग पूरे साल भर बनी रहेगी। अलग-अलग मौसम होते हैं और उनके लिए अलग-अलग प्रकार के कपड़ों की आवश्यकता होती है, जो एक तरह से यह भी सुनिश्चित करता है कि व्यवसाय टिकाऊ रहेगा क्योंकि पूरे वर्ष मांग रहेगी। त्योहारी सीजन या शादी के सीजन के दौरान इस एसएचजी के ग्राहकों में उछाल देखने को मिलेगा।

1	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	भवारना, डरोह और पालमपुर
2	सिलाई कार्य की मांग	पूरे वर्ष और त्योहारों और विवाह अवसरों के समय उच्च मांग।
3	बाज़ार की पहचान की प्रक्रिया	नजदीकी ग्रामीणों /घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे ।

4	विपणन रणनीति	एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थानों से ऑर्डर (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

6. कार्यकारी सारांश-

स्वयं सहायता समूह द्वारा कटिंग एण्ड टेलरिंग आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है । यह आईजीए इस एसएचजी की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह सदस्यों द्वारा वार्षिक रूप से की जायेगी। सदस्य इस गतिविधि को अलग-थलग कर रहे हैं, लेकिन अब उन्होंने अपने कौशल को बढ़ाने के लिए उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद इस गतिविधि को थोड़े बड़े पैमाने पर और योजनाबद्ध तरीके से करने के लिए हाथ मिलाया है। इस ग्रुप द्वारा शुरुआत में अलग-अलग तरह के सूट सिले जाएंगे। ग्राहकों की मांग के अनुरूप सूट सिलवाए जाएंगे । सदस्यों के बीच श्रम विभाजन की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है ताकि प्रत्येक आईजीए को मजबूत करने में योगदान दे सके और परिणामस्वरूप उनकी जेब में अतिरिक्त पैसा आ सके।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	सिला हुआ सूट
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

1	समय लिया	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं।
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी देवियाँ
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाज़ार/मुख्य बाज़ार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाज़ार/मुख्य बाज़ार
5	प्रति दिन अपेक्षित सिले हुए सूट	10 सूट

9. जोखिम विश्लेषण -

1. कौशल आधारित .
2. मांग प्रेरित .
3. अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार .

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमताओं के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा। कुछ लोग काटने में शामिल होंगे.अन्य लोग सिलाई में लगेंगे
कुछ लोग सिले हुए सूटों की अंतिम फिनिशिंग करने में लगे होंगे। और अन्य अंतिम उत्पाद की उचित इस्त्री और पैकिंग होगी।

11. अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र.सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रुपये)
1	सिलाई मशीन	13	8500	110500
2	इंटरलॉक मशीन	1	7000	7000
3	दर्जी की कैंची	14	500	7000
4	सिलाई शासक सेट	14	600	8400
5	सिलाई दर्जी टेप	14	100	1400
6	आयरन प्रेस	4	1500	6000
7	एल्यूमीनियम रैक	2	5000	10000
8	हैंगर (सेट)	7	240	1680
9	कुर्सियों	14	800	11200
10	काउंटर/कपड़ा काटने की मेज	2	4000	8000
कुल पूंजी लागत (ए) =				**171180**

बी. आवर्ती लागत					
क्र.सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
1	सिलाई के धागे, बटन, ज़िप, मार्कर आदि	उत्तर	रास	रास	3,000
2	कमरे का किराया	महीना	1	1000	1,000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	रास	1,500
4	अन्य (परिवहन, स्टेशनरी, बिजली बिल, मशीन मरम्मत)	महीना	रास	रास	1,000
कुल आवर्ती लागत (बी)					**6,500**

ध्यान दें - समूह के सदस्य स्वयं कार्य करेंगे और इसलिए श्रम लागत शामिल नहीं की गई है और सदस्य अपने बीच पालन किए जाने वाले कार्य शेड्यूल का प्रबंधन करेंगे।

सी. उत्पादन की लागत (मासिक)		
क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	6,500
2	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास (171180 का 10%) /12= 706	706
कुल = 7206		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र.सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	साधारण सूट	1	250-300
2	अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	350-400

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)		
क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	706
2	कुल आवर्ती लागत	6,500
3	प्रति माह कुल सिला हुआ सूट (लगभग मात्रा)	310
4	सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	300
5	आय पीढ़ी	93,000
6	शुद्ध लाभ	85,794
7	शुद्ध लाभ का वितरण	I. लाभ सदस्यों के बीच मासिक/वार्षिक आधार पर समान रूप से वितरित किया जाएगा। ü लाभ की कुछ राशि का उपयोग आईजीए में आगे के निवेश के लिए किया जाएगा।

12. एसएचजी में निधि प्रवाह व्यवस्था -

क्र.सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजीगत लागत	171180	128385	42795
2	कुल आवर्ती लागत	6,500	0	6,500
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	100000	100000	0
कुल		**2,77,680**	**2,28,385**	**49,295**

टिप्पणी:

i) पूंजीगत लागत- 75 % पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा और 25 % SHG द्वारा वहन की जाएगी।

ii) आवर्ती लागत- एसएचजी द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

13. निधि के स्रोत -

परियोजना का समर्थन	✧ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/गरीब महिला हैं तो पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा । यदि सदस्य सामान्य वर्ग के हैं तो 50% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। ✧ 1 लाख रुपये तक एसएचजी बैंक खाते में जमा किया जाएगा। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होगा।	खरीद सभी औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी।
एसएचजी योगदान	✧ सामान्य श्रेणी और अन्य श्रेणियों के लिए पूंजीगत लागत का क्रमशः 50% या 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ आवर्ती लागत एसएचजी द्वारा वहन की जाएगी।	

14. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और मार्केटिंग
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

15. ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति सूट) - उत्पादन की लागत (प्रति सूट))

= 171180 /(300-100)

= 856

856 सूटों की सिलाई के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा ।

16. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालाँकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी का बकाया मूल ऋण वर्ष में एक बार बैंकों को पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ✧ परियोजना समर्थन - 5% ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान को जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होता है।

17.निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और अनुमान के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- ❖ एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की भी समीक्षा करनी चाहिए और अनुमान के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

18.टिप्पणी

सभी सदस्य महिलाएं हैं और निम्न आय वर्ग से संबंधित हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा।

19.समूह सदस्य व्यक्ति तस्वीरें:

संजू देवी

सरला देवी

कृष्णा देवी

सुनीता देवी

वर्सा देवी

बबली देवी

शीला देवी

मीरा देवी

किरना देवी

रीमा देवी

रेनू कुमारी

स्वाति देवी

ममता देवी

ज्योति

20.समूह चित्र:

21. संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र

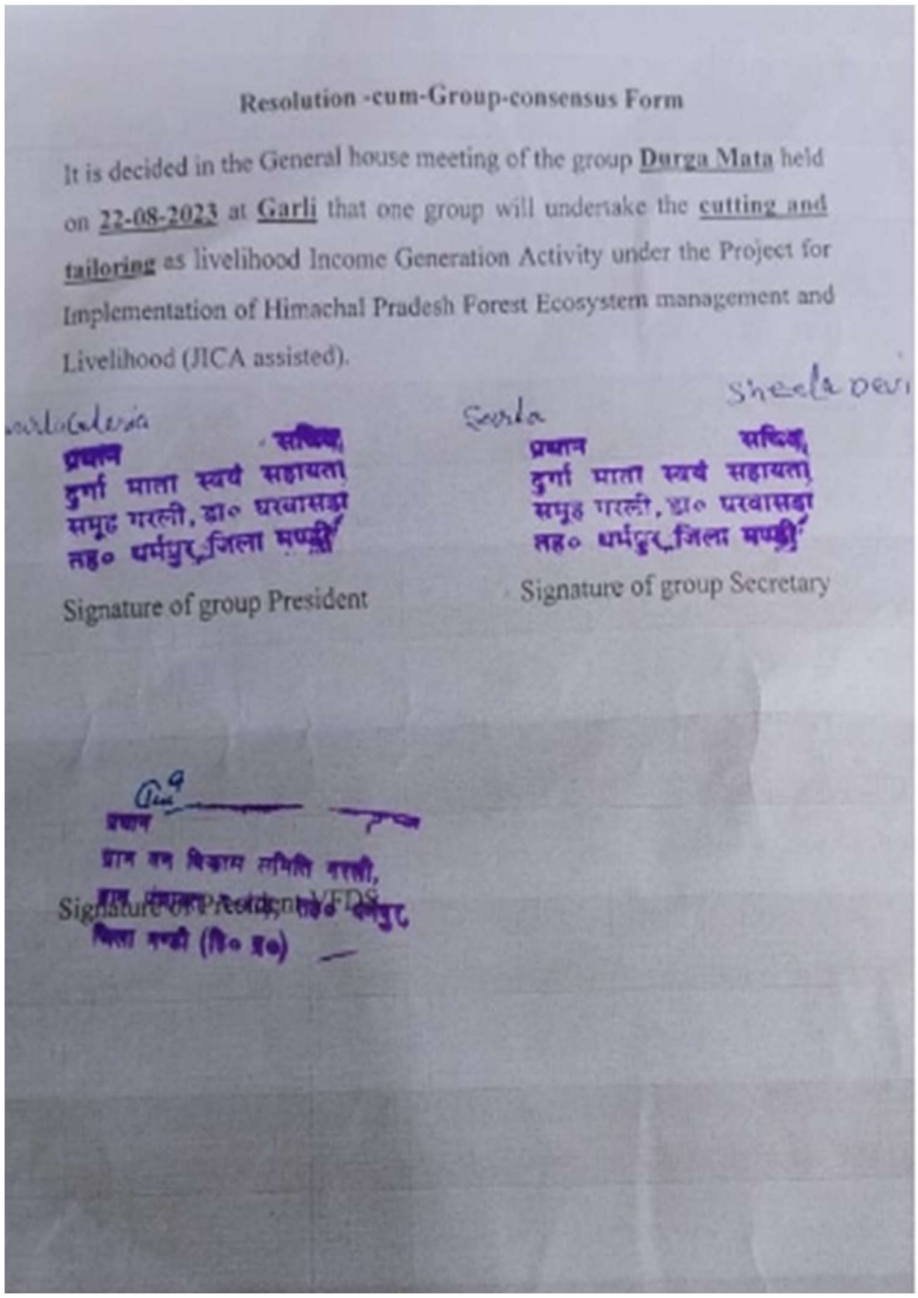

Resolution -cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group **Durga Mata** held on **22-08-2023** at **Garli** that one group will undertake the **cutting and tailoring** as livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Sheela devi

Garla

प्रधान सचिव,
दुर्गा माता स्वयं सहायता
समूह गरली, डा० धरवासड़ा
तह० धर्मपुर, जिला मण्डी

Signature of group President

प्रधान सचिव,
दुर्गा माता स्वयं सहायता
समूह गरली, डा० धरवासड़ा
तह० धर्मपुर, जिला मण्डी

Signature of group Secretary

प्रधान
ग्राम वन विकास समिति गरली,
डा० धरवासड़ा, तह० धर्मपुर,
जिला मण्डी (हि० प्र०)

Signature of President, VFDS

22. **वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन**

Business Plan Approval by VFDS and DMU

Durga Mata Group will undertake the **cutting and tailoring** as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted). In this regard business Plan of amount Rs. **2,77,680** has been submitted by the group on **22-08-2023** and the Business Plan has been approved by VFDS Garli.

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Sarla Guleria प्रधान दुर्गा ... सचिव Sheela Devi

Signature of group President Signature of group secretary

प्रधान
ग्राम वन विकास समिति गरली,
ग्राम पंचायत डरवाड़, तह० धर्मपुर,
जिला मण्डी (हि० प्र०)

Signature of VFDS President

Approved

DMU-cum-DFO Joginder Nagar
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar